भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1191

उत्तर देने की तारीख 08 दिसंबर, 2025

सोमवार, 17 अग्रहायण, 1947 (शक)

'संकल्प'

1191. डॉ. सी. एम. रमेश:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 'संकल्प' योजना को तीन चरणों में क्रियान्वित किया गया है;

(ख) यदि हाँ, तो विशेषकर आंध्र प्रदेश के संदर्भ में, प्रत्येक चरण में निर्धारित और प्राप्त लक्ष्यों का चरण-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) आन्ध्र प्रदेश से प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या सहित सभी तीनों चरणों में प्रशिक्षित महिलाओं की चरण-वार संख्या कितनी है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग) आजीविका संवर्धन हेतु कौशल अर्जन एवं ज्ञान जाकरूकता (संकल्प), जो एक विश्व बैंक ऋण-सहायता प्राप्त परिणाम-आधारित केन्द्रीय प्रायोजित योजना है, जिसे जनवरी 2018 में आरम्भ की गई थी। इस योजना की प्रारंभिक कार्यान्वयन अवधि मार्च 2023 तक निर्धारित थी। इसके बाद योजना को मार्च 2025 तक विस्तारित किया गया और अब यह परियोजना पूर्ण हो चुकी है। यह योजना देशभर में एक ही चरण में लागू की गई। इसका उद्देश्य अल्पावधि कौशल विकास इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाना था, जिसके लिए तीन परिणाम क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया अर्थात (i) राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर पर संस्थागत सुदृढ़ीकरण, (ii) कौशल विकास कार्यक्रमों में गुणवत्ता सुनिश्चित करना, तथा (iii) वंचित वर्गों का समावेशन।

योजना के अंतर्गत कुल 8 संवितरण से जुड़े संकेतक (डीएलआई) निर्धारित किए गए थे, और दिनांक 31 मार्च 2025 तक सभी 8 डीएलआई प्राप्त कर लिए गए, जिसमें अल्पावधि कौशल कार्यक्रम पूरा करने वाले प्रशिक्षार्थियों पर ध्यान, उनका वेतन या स्वरोजगार प्राप्त करना, राष्ट्रीय कौशल अर्हता ढाँचे के साथ योग्यता पैक के अनुरूप, प्रशिक्षकों एवं मूल्यांककों का प्रशिक्षण, संस्थागत सुदृढ़ीकरण, महिलाओं की सहभागिता पर विशेष ध्यान और ग्राम पंचायत स्तर तक सेवा प्रदाय व्यवस्था को मजबूत करना शामिल है।

उपरोक्त के अनुसार, संकल्प योजना एक ही चरण में लागू की गई थी, और आंध्र प्रदेश में कुल 4191 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

*****